शनिवार

21 नवम्बर 2026

● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 300
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

# दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

# मां को अंतिम विदाई

## भावुक हुए सीएम योगी, छोटे भाई ने दी मां को मुखाग्नि

संवाददाता

देहरादून। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हरिद्वार में अपनी मां सावित्री देवी को अंतिम विदाई दी। 91 वर्ष की आयु में शुक्रवार सुबह उनका निधन हो गया था। इससे पूर्व, मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड के पौरी गढ़वाल जिले स्थित अपने पैतृक गांव पंचूर में मां के पार्थिव शरीर को कंधा दिया और उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर भावुक श्रद्धांजलि दी।

सावित्री देवी का अंतिम संस्कार हरिद्वार के चंडीघाट श्मशान पर संपन्न हो गया। करीब 12.30 बजे उनके पार्थिव शरीर को चार पुत्रों में सबसे छोटे महेंद्र सिंह बिष्ट ने मुखाग्नि दी। इससे पहले अंतिम यात्रा पैतृक गांव पंचूर से सुबह 8.50 बजे शुरू होकर हरिद्वार चंडी घाट श्मशान के लिए निकली। इस दौरान बड़ी संख्या में गांव के लोग, स्थानीय और प्रदेश के नेता शामिल रहे। अंतिम यात्रा 11.40 बजे श्मशान घाट पर पहुंची। इस दौरान बड़ी संख्या में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड के नेताओं और साधु-संतों का भारी जमावड़ा देखने को मिला। इस दौरान पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि देने के लिए रखा गया है। इस समय नेताओं और साधु-संतों द्वारा सावित्री देवी को श्रद्धांजलि देने का सिलसिला जारी है।



उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री संजय निषाद भी इस दौरान गांव से ही अंतिम यात्रा में शामिल रहे। सीएम योगी मां को कंधा देते हुए भावुक नजर आए। बता दें कि पौड़ी गढ़वाल जिला स्थित योगी जी के पैतृक गांव पंचूर से हरिद्वार पहुंचने में करीब दो से ढाई घंटे का समय लगता है। इसलिए करीब 11.40 बजे अंतिम यात्रा हरिद्वार के चंडी घाट श्मशान पर पहुंची। इधर हरिद्वार जिला प्रशासन ने अंतिम संस्कार स्थल पर भीड़ और वीआईपी के पहुंचने के चलते सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, स्वामी रामदेव, आचार्य बालकृष्ण सहित हरिद्वार के स्थानीय नेता और उत्तराखंड भाजपा के नेताओं के साथ ही उत्तर प्रदेश के नेताओं का भी हरिद्वार चंडी घाट श्मशान पर पहुंचना जारी है। हरिद्वार चंडीघाट पर अखिल भारतीय परिषद (निरंजनी) एवं मनसा देवी ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत डॉ. रविंद्रपुरी महाराज, श्री अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद (महानिर्वाणी) के अध्यक्ष एवं महानिर्वाणी के सचिव श्रीमहंत रवींद्र पुरी महाराज भी मौजूद हैं।

उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, मत्स्य पालन मंत्री संजय निषाद, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के अलावा कई सांसद व विधायक व प्रदेश के पदाधिकारी चंडीघाट पहुंचे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, स्वामी रामदेव, आचार्य बालकृष्ण सहित हरिद्वार के स्थानीय नेता और उत्तराखंड भाजपा के नेताओं के साथ ही उत्तर प्रदेश के नेताओं का भी हरिद्वार चंडी घाट श्मशान पर पहुंचना जारी है। हरिद्वार चंडीघाट पर अखिल भारतीय परिषद (निरंजनी) एवं मनसा देवी ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत डॉ. रविंद्रपुरी महाराज, श्री अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद (महानिर्वाणी) के अध्यक्ष एवं महानिर्वाणी के सचिव श्रीमहंत रवींद्र पुरी महाराज भी मौजूद हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान ने भी इस दुखद घड़ी में अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। विभिन्न कार्यक्रमों और बैठकों के दौरान भी सावित्री देवी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई, जहां उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

# अदाणी डिफेंस ने किया एंटी टैंक मिसाइल सिस्टम का सफल प्रदर्शन

नगर संवाददाता

नई दिल्ली/पोखरण। भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने बड़ी उपलब्धि हासिल करने का दावा किया है। कंपनी ने राजस्थान के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में अपने नए बघीरा एटीआई। एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल सिस्टम का सफल प्रदर्शन किया। इस दौरान चार एंटी-टैंक मिसाइलों का सफल परीक्षण किया गया। 20 नवंबर को आयोजित इस प्रदर्शन को भारतीय सेना, डिपार्टमेंट ऑफ मिलिट्री अफेयर्स और रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने देखा।

कंपनी के मुताबिक, इस प्रदर्शन में दिन और रात के समय लक्ष्य पर निशाना साधने की क्षमता का परीक्षण किया गया। इसके साथ ही आर्मर्ड वाहन को निशाना बनाने और लंबी दूरी पर हवाई लक्ष्य को एंगेज करने की क्षमता का भी प्रदर्शन किया गया। परीक्षण के बाद पूरे सिस्टम का स्टैटिक डिस्प्ले किया गया।




अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के अनुसार, बघीरा ज1 को भारतीय सेना की परिचालन जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 18 महीने के डिजाइन और डेवलपमेंट के बाद तैयार किया गया है। इसे भारतीय भूभाग, मौसम और सैन्य परिस्थितियों के अनुकूल बनाया गया है। यह एक वाहन आधारित एंटी-टैंक मिसाइल सिस्टम है, जिसमें मिसाइल, ऑटोमेटेड लॉन्चर और दिन-रात काम करने वाले आधुनिक साइट्स शामिल हैं। इसे कंपनी के डिजाइन किए गए 4ञ4 हाई-मोबिलिटी आर्मर्ड व्हीकल पर लगाया गया है। कंपनी का दावा है कि यह सिस्टम लेजर बीम आधारित गाइडेंस तकनीक से लैस है, जो इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग के प्रति बेहतर प्रतिरोध क्षमता प्रदान करती है। इसकी घोषित एंगेजमेंट रेंज 8 किलोमीटर तक है।

बघीरा एटीआई1 का विकास ऐसे समय में हुआ है, जब भारत अपने रक्षा उत्पादन और स्वदेशी सैन्य तकनीक को बढ़ावा देने पर जोर दे रहा है। कंपनी का कहना है कि इस परियोजना से एडवांस्ड एंटी-टैंक सिस्टम के डिजाइन, निर्माण, इंटीग्रेशन और रखरखाव में घरेलू क्षमता विकसित होगी।

अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के मुताबिक, यह सिस्टम भारतीय सशस्त्र बलों को मूल्यांकन के लिए उपलब्ध कराया गया है। इसका उद्देश्य रक्षा क्षेत्र में घरेलू निर्माण क्षमता को मजबूत करना और आपातकालीन आयात पर निर्भरता कम करना है। यह प्रदर्शन भारत के निजी रक्षा उद्योग की बढ़ती भूमिका को भी दर्शाता है।

दून वैली मेल

## संपादकीय

# रामायण का वैश्विक मंच पर सम्मान

रामायण केवल एक धार्मिक ग्रंथ या पौराणिक कथा नहीं है। यह भारतीय समाज की सांस्कृतिक चेतना, नैतिक मूल्यों, पारिवारिक संबंधों, आदर्शों और जीवन दर्शन का ऐसा आधार है, जिसने सदियों से भारत की सामाजिक संरचना को प्रभावित किया है। इसकी पहुंच भारत की भौगोलिक सीमाओं तक सीमित नहीं रही। दक्षिण-पूर्व एशिया से लेकर दुनिया के अनेक देशों तक रामकथा ने अलग-अलग भाषाओं, कलाओं और परंपराओं में अपनी जगह बनाई है। ऐसे में जब रामायण पर आधारित भारतीय फिल्म को गोवा में आयोजित 57वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के ब्रिक्स खंड की उद्घाटन फिल्म के रूप में चुना जाता है, तो यह केवल सिनेमा की उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक विरासत की वैश्विक उपस्थिति का भी महत्वपूर्ण अवसर बन जाता है। इस महोत्सव में भारत की फिल्म रामायण को ब्रिक्स खंड की पहली फिल्म के रूप में स्थान दिया गया है। 20 से 28 नवंबर तक आयोजित हो रहे महोत्सव में ब्रिक्स देशों और सहयोगी देशों की फिल्मों के माध्यम से विभिन्न सभ्यताओं, समाजों और सांस्कृतिक अनुभवों को प्रस्तुत किया जा रहा है। इस खंड में भारत की रामायण का उद्घाटन फिल्म होना इस बात का संकेत है कि भारतीय कथाओं में अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के सामने संवाद स्थापित करने की क्षमता है। हालांकि इसे किसी प्रतियोगिता में मिला पुरस्कार नहीं, बल्कि एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर मिली प्रमुख प्रस्तुति और मान्यता के रूप में देखना अधिक उचित होगा। रामायण की सबसे बड़ी विशेषता उसकी सार्वकालिकता है। हजारों वर्षों से यह कथा पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ती रही है। हर युग ने अपने समय और सामाजिक परिस्थितियों के अनुरूप रामकथा की व्याख्या की है। वाल्मीकि रामायण से लेकर तुलसीदास के रामचरितमानस तक और लोकभाषाओं की असंख्य रामकथाओं तक इसकी यात्रा भारतीय सांस्कृतिक विविधता का प्रमाण है। यही नहीं, इंडोनेशिया, थाईलैंड, कंबोडिया, लाओस और अन्य दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में भी रामकथा ने स्थानीय संस्कृति और कलाओं के साथ अपना विशिष्ट स्वरूप विकसित किया है। रामायण का यह अंतरराष्ट्रीय विस्तार बताता है कि महान सांस्कृतिक कथाएं किसी एक धर्म, भाषा या भूगोल की सीमाओं में कैद नहीं रहतीं। आज जब दुनिया तकनीक, बाजार और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच अपनी सांस्कृतिक पहचान को लेकर भी सजग है, तब भारतीय सिनेमा के सामने एक बड़ी जिम्मेदारी है। भारत के पास महाभारत, रामायण, बौद्ध दर्शन, उपनिषदों, लोक परंपराओं और हजारों वर्षों की सभ्यतागत स्मृतियों का विशाल भंडार है। लेकिन सवाल यह है कि क्या भारतीय फिल्म उद्योग इस विरासत को वैश्विक दर्शकों के सामने उसी कलात्मक गहराई और संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत कर पा रहा है, जिसकी वह हकदार है? रामायण जैसे विषय पर फिल्म बनाना आसान काम नहीं है। इसके साथ करोड़ों लोगों की आस्था, भावनाएं और सांस्कृतिक स्मृतियां जुड़ी हुई हैं। इसलिए फिल्मकारों के लिए दृश्य प्रभावों, भव्य सेट और तकनीकी कौशल से आगे बढ़कर कथा की आत्मा को समझना भी जरूरी है। राम का चरित्र केवल एक योद्धा या राजा का नहीं, बल्कि मर्यादा, कर्तव्य और त्याग के आदर्श का प्रतीक है। सीता का चरित्र धैर्य, आत्मसम्मान और संघर्ष की गहरी अभिव्यक्ति है। लक्ष्मण, भरत और हनुमान जैसे पात्र भी भारतीय जीवन मूल्यों के अलग-अलग आयाम सामने रखते हैं। यदि सिनेमा इन चरित्रों की वैचारिक गहराई को पकड़ पाता है, तभी रामायण का वैश्विक प्रभाव व्यापक हो सकता है। इस संदर्भ में यह भी महत्वपूर्ण है कि रामायण को केवल धार्मिक पहचान के चश्मे से देखने के बजाय उसके मानवीय और दार्शनिक पक्ष को भी सामने लाया जाए। सत्ता और नैतिकता का संबंध, परिवार और समाज के प्रति उत्तरदायित्व, वचन की मर्यादा, न्याय, संघर्ष, प्रकृति के साथ सहअस्तित्व और अहंकार के परिणाम जैसे विषय आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने प्राचीन समय में थे। यही वह तत्व हैं, जो रामकथा को अलग-अलग संस्कृतियों के दर्शकों से जोड़ सकते हैं। भारतीय संस्कृति की वैश्विक पहचान केवल योग, अध्यात्म और धार्मिक पर्यटन से नहीं बनेगी। साहित्य, सिनेमा, संगीत, कला और लोक परंपराओं के माध्यम से भी भारत को अपनी सभ्यतागत विरासत दुनिया के सामने रखनी होगी। इस दिशा में रामायण जैसी फिल्मों की अंतरराष्ट्रीय प्रस्तुति एक अवसर है। लेकिन इस अवसर को वास्तविक सांस्कृतिक उपलब्धि में बदलने के लिए जरूरी है कि भारतीय सिनेमा अपनी मौलिकता, शोध और रचनात्मकता पर भी ध्यान दे। गोवा के अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में रामायण की प्रस्तुति इस लिहाज से महत्वपूर्ण है कि दुनिया के अलग-अलग देशों के फिल्मकार और दर्शक भारतीय सभ्यता की एक ऐसी कथा से रूबरू होंगे, जिसकी जड़ें इतिहास, लोकस्मृति, धर्म और दर्शन में गहराई तक फैली हुई हैं। यह भारत के लिए अपनी सांस्कृतिक विरासत को नए माध्यम और नई भाषा में प्रस्तुत करने का अवसर है। रामायण की असली शक्ति उसकी भव्यता में नहीं, बल्कि उसके विचारों में है। यदि भारतीय सिनेमा इस शक्ति को समझकर दुनिया तक पहुंचा सके तो यह उपलब्धि किसी एक फिल्म या फिल्म महोत्सव तक सीमित नहीं रहेगी। यह भारतीय संस्कृति के वैश्विक संवाद का नया अध्याय बन सकती है।

# मां के सामने टूटा योगी का धैर्य

कार्यालय संवाददाता

पंचूर/देहरादून। दुनिया के लिए वह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं, गोरक्षपीठ के महंत हैं और संन्यास की कठोर साधना से पहचाने जाने वाले योगी आदित्यनाथ हैं। सार्वजनिक जीवन में जिनका चेहरा अक्सर दृढ़ता, अनुशासन और संकल्प का प्रतीक दिखाई देता है, शुक्रवार को वही योगी अपनी मां के पार्थिव शरीर के सामने खड़े थे। आंखों में आंसू थे, चेहरे पर गहरा सन्नाटा और सामने थी वह मां, जिसकी गोद में कभी उनका बचपन बीता था। संन्यास की राह चुनकर सांसारिक मोह-माया से दूर हो जाने वाले योगी का मन भी मां के बिछोह से भर आया। उन्होंने मां के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित किए और कुछ देर तक एकटक उन्हें निहारते रहे। उस क्षण न कोई पद था, न सत्ता और न ही सार्वजनिक जीवन की व्यस्तताएं। सामने केवल मां थीं और उन्हें अंतिम बार देखता एक बेटा।



◆मां के पार्थिव शरीर के सामने खड़े होकर एकटक निहारते रहे योगी
◆योगी आदित्यनाथ ने नम आंखों से पुष्प अर्पित कर दी अंतिम विदाई
◆गोरखपुर में कार्यक्रम के बीच मिली थी मां के निधन की उन्हें खबर
◆कार्यक्रम रद्द कर पहुंचे पंचूर, रातभर मां के पार्थिव शरीर के पास रहे

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का शुक्रवार 20 नवंबर को उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के पंचूर गांव स्थित पैतृक आवास पर 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वह पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थीं। मां के निधन की खबर उस समय आई, जब योगी आदित्यनाथ गोरखपुर में एक कार्यक्रम में मौजूद थे। वह चंपा देवी पार्क में युवाओं को टैबलेट वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। खबर मिलने के बाद उन्होंने अपना निर्धारित कार्यक्रम पूरा किया और इसके बाद अन्य कार्यक्रमों को निरस्त कर मां के अंतिम दर्शन के लिए उत्तराखंड रवाना हो गए।

पौड़ी गढ़वाल के यमकेश्वर क्षेत्र स्थित अपने पैतृक गांव पंचूर पहुंचे। शाम को घर पहुंचते ही वह सीधे मां की पार्थिव देह के पास पहुंचे। उन्होंने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मां के सामने खड़े होकर कुछ देर तक मौन रहे। यह दृश्य वहां मौजूद परिजनों और ग्रामीणों को भी भावुक कर गया। योगी ने परिजनों से मां के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। उन्होंने पूछा कि उनकी तबीयत कब से अधिक खराब थी, उन्हें क्या परेशानी हो रही थी और अंतिम समय में उनकी देखभाल किस तरह हुई।

योगी आदित्यनाथ का मूल नाम अजय सिंह बिष्ट है। पौड़ी जिले के पंचूर गांव में जन्मे अजय ने वर्ष 1994 में सांसारिक जीवन छोड़कर संन्यास का मार्ग अपनाया था। इसके बाद वह गोरखपुर स्थित गोरक्षपीठ से जुड़ गए। संन्यास के कारण परिवार से उनका मिलना-जुलना सीमित हो गया, लेकिन मां के प्रति उनका भावनात्मक रिश्ता हमेशा बना रहा। मुख्यमंत्री बनने और राष्ट्रीय राजनीति में व्यस्तताओं के बावजूद वह समय-समय पर अपने पैतृक गांव पहुंचते रहे। मई 2026 में भी योगी आदित्यनाथ पंचूर पहुंचे थे और मां से मुलाकात की थी। उस समय शायद किसी ने नहीं सोचा होगा कि मां से उनकी वह मुलाकात आखिरी मुलाकात साबित होगी। मां का आशीर्वाद लेकर लौटने वाला बेटा अब उसी घर में उनकी पार्थिव देह के सामने खड़ा था। जीवन की यह विडंबना किसी को भी भीतर तक झकझोर देने वाली थी।

मां के निधन और अंतिम दर्शन के बाद योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया पर मां के साथ अपनी तस्वीर साझा की। इस तस्वीर के साथ उन्होंने केवल इतना लिखा- मां... शांति। शब्द कम थे, लेकिन उनके भीतर छिपी पीड़ा और मां के प्रति श्रद्धा का भाव गहरा था। एक संन्यासी और मुख्यमंत्री के सार्वजनिक व्यक्तित्व के पीछे छिपे बेटे की भावनाएं इस छोटे से संदेश में महसूस की जा सकती थीं। सावित्री देवी के निधन की खबर फैलते ही पंचूर गांव में शोक की लहर दौड़ गई। नाते-रिश्तेदारों, ग्रामीणों और शुभचिंतकों का उनके आवास पर पहुंचना शुरू हो गया। परिवार की परंपरा के अनुसार सावित्री देवी का अंतिम संस्कार हरिद्वार के चंडीघाट पर किया। पंचूर से

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

# सत्ता बरकरार रखने के बावजूद भाजपा के जनाधार में गिरावट के मिले संकेत

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का भाजपा का सपना जितना बड़ा है, उसे साकार करने की चुनौतियां भी उतनी ही गंभीर होती जा रही हैं। 2022 में लगातार दूसरी बार सत्ता में लौटकर इतिहास रचने वाली भाजपा अब 2027 में हैट्रिक लगाने की तैयारी में है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 70 में से 65 सीटें जीतने का लक्ष्य घोषित कर चुके हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में पार्टी संगठन भी चुनावी अभियान को धार देने में जुटा है। लेकिन इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य के सामने कई ऐसे राजनीतिक और सामाजिक सवाल खड़े हैं, जिन्हें नजरअंदाज करना भाजपा के लिए आसान नहीं होगा। सत्ता के दस साल, सरकार के खिलाफ पनपता असंतोष, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार के आरोप, महिला अपराध, जमीनों की खरीद-फरोख्त और विधायकों के प्रति नाराजगी जैसे मुद्दे पार्टी की राह में बड़े रोड़े बन सकते हैं।

उत्तराखंड में सरकार बदलने की परंपरा को तोड़कर भाजपा ने 2022 में लगातार दूसरी बार सत्ता हासिल की थी। लेकिन इस जीत के साथ ही पार्टी के सामने एक चुनौती भी खड़ी हो गई थी। 2017 में 57 सीटें जीतने वाली भाजपा 2022 में 47 सीटों पर सिमट गई। कांग्रेस की सीटें 11 से बढ़कर 19 हो गईं। यानी सत्ता बरकरार रखने के बावजूद भाजपा के जनाधार में



◆हैट्रिक के लक्ष्य के सामने सत्ता विरोधी माहौल, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार की चुनौती
◆विधायकों की नाराजगी से लेकर स्थानीय असंतोष तक कई मोर्चों पर घिरी पार्टी

गिरावट के संकेत मिले थे। अब पांच साल के कार्यकाल के बाद 2027 में पार्टी को न केवल अपनी सत्ता बचानी है, बल्कि घटे हुए जनाधार को वापस हासिल करने की चुनौती भी है। लगातार दो कार्यकाल के बाद सरकार के खिलाफ स्वाभाविक रूप से पैदा होने वाला असंतोष इस बार चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकता है। सरकार की उपलब्धियों के दावों के बीच जनता स्थानीय समस्याओं और अपने विधायकों के कामकाज का हिसाब भी मांग सकती है।

राज्य गठन के 26 साल बाद भी रोजगार और पलायन उत्तराखंड की सबसे बड़ी समस्याओं में शामिल हैं। सरकारी नौकरियों में भर्ती, प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के दावे चुनाव में कसौटी पर होंगे। नकलरोधी कानून और भर्ती परीक्षाओं में कार्रवाई को सरकार अपनी उपलब्धि के रूप में पेश कर रही है, लेकिन युवाओं के बीच रोजगार के पर्याप्त अवसरों का सवाल अब भी कायम है। पहाड़ के गांवों से लगातार हो रहा पलायन, बंद होते स्कूल, स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव और स्थानीय स्तर पर रोजगार के सीमित विकल्प सरकार के विकास माडल पर सवाल खड़े कर सकते हैं। कांग्रेस पहले ही बेरोजगारी, पलायन और भर्ती प्रक्रियाओं में कथित अनियमितताओं को अपने चुनावी एजेंडे का प्रमुख हिस्सा बनाने के संकेत दे चुकी है।

भ्रष्टाचार के आरोप और कानून व्यवस्था से जुड़े सवाल भाजपा के लिए राजनीतिक रूप से असहज स्थिति पैदा कर सकते हैं। जमीनों की खरीद-फरोख्त, सरकारी तंत्र में कथित अनियमितताएं, महिला अपराध और प्रभावशाली लोगों को संरक्षण देने के आरोप विपक्ष लगातार उठा रहा है। अंकिता भंडारी हत्याकांड भी ऐसा मुद्दा है, जो प्रदेश की राजनीति में लगातार संवेदनशील बना हुआ है। अंकिता के माता-पिता की ओर से वीआईपी की पहचान और सीबीआई जांच से जुड़े सवालों को

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

# जल्द सड़क से जुड़ जाएगा दशोली ब्लॉक का घुड़साल गांव

चमोली(आरएनएस)। दशोली विकासखंड का घुड़साल गांव जल्द ही सड़क मार्ग से जुड़ जाएगा। लोक निर्माण विभाग ने सैकोट से घुड़साल तक सड़क निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। बदरीनाथ विधायक लखपत बुटोला ने फीता काटकर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। सैकोट-घुड़साल तक ढाई किमी लंबी सड़क निर्माण के लिए 83.85 लाख रुपये का बजट स्वीकृत हुआ है।

ग्रामीण लंबे समय से गांव को सड़क से जोड़ने की मांग कर रहे थे। सड़क निर्माण शुरू होने पर ग्रामीणों ने खुशी जताते हुए विधायक का आभार व्यक्त किया। लोनिवि के अधिशासी अभियंता तनुज कंबोज ने बताया कि सड़क की लंबाई करीब ढाई किमी है। निर्माण कार्य नौ माह में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

इस दौरान घुड़साल की ग्राम प्रधान अनीता कंडारी, सैकोट की प्रधान मंजू रावत, जिला पंचायत सदस्य विपिन फरस्वाण, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष शैलेंद्र नेगी, महिला जिलाध्यक्ष ऊषा रावत, गोविंद सजवाण, रविंद्र बर्त्वाल, गुलाब सिंह, सहायक अभियंता उमेश सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

# नाबालिग को स्कूटी चलाने देने के आरोप में पिता दोषमुक्त

पौड़ी(आरएनएस)। नाबालिग को स्कूटी चलाने देने के आरोप में दर्ज प्राथमिकी में अदालत ने पिता को दोषमुक्त करार दिया। सिविल जज (सी.डि)/एसीजेएम पौड़ी अमित भट्ट की अदालत ने यह फैसला सुनाया।अभियोजन के अनुसार 2 अगस्त 2025 को पौड़ी थाना तिराहे के पास चेकिंग के दौरान एक किशोर स्कूटी चला रहा था। किशोर के पास वाहन के आवश्यक कागजात भी नहीं थे।

पुलिस ने नाबालिग के पिता के खिलाफ एमवी एक्ट के तहत ई-चालान करते हुए वाहन सीज किया और चालानी रिपोर्ट न्यायालय में प्रस्तुत की। सुनवाई के दौरान अभियोजन की ओर से एसआई को गवाह के रूप पेश किया गया। उन्होंने बताया कि चेकिंग के दौरान नाबालिग को स्कूटी चलाते पकड़ा गया था और वाहन सीज किया था। हालांकि अदालत में उन्होंने स्वीकार किया कि स्कूटी के स्वामी नाबालिग के पिता नहीं थे। मामले में सीसीटीवी फुटेज, वीडियो या फोटो साक्ष्य भी प्रस्तुत नहीं किए गए। अभियोजन पक्ष इन तथ्यों को प्रमाणित करने में असफल रहा। इसी आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषमुक्त किया।

# बदरीनाथ में मास्टर प्लान के कार्यों में जुटे हैं 300 श्रमिक व तकनीशियन

चमोली(आरएनएस)। बदरीनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद होने के बाद भी मास्टर प्लान के तहत निर्माण कार्य जारी हैं। इन दिनों धाम में करीब 300 श्रमिक और तकनीशियन विभिन्न कार्यों में जुटे हुए हैं। मौसम की स्थिति को देखते हुए कार्यदायी संस्था आगे निर्माण कार्य जारी रखने या रोकने का निर्णय लेगी। बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान के द्वितीय चरण के कार्य किए जा रहे हैं।

कार्यदायी संस्था निर्धारित समय पर निर्माण कार्य पूरा करने में जुटी है। धाम में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है और आम लोगों की आवाजाही भी प्रतिबंधित है। इसके बावजूद पीआईयू के करीब 250 श्रमिक और 50 तकनीशियन निर्माण कार्यों में लगे हैं। पीआईयू के अधिशासी अभियंता योगेश मनराल ने बताया कि धाम में रिवर फ्रंट के कार्य किए जा रहे हैं। इसके अलावा प्रथम चरण के कुछ शेष कार्य भी पूरे किए जा रहे हैं। माणा में भी निर्माण कार्य जारी हैं। उन्होंने बताया कि मौसम अनुकूल रहने पर जनवरी के पहले सप्ताह तक कार्य जारी रखने का लक्ष्य रखा गया है। मौसम की परिस्थितियों के अनुसार आगे का निर्णय लिया जाएगा।

# विवाहिता की संदिग्ध मौत के मामले में पिता ने दी हत्या की तहरीर

पौड़ी(आरएनएस)। नगर के सिलंगी मल्ली गांव में विवाहिता के चुन्नी के फंदे से लटककर आत्महत्या के मामले में नया मोड़ आ गया है। मृतका के पिता ने पुलिस में हत्या की आंशका की तहरीर दी है। इस पर पुलिस जांच में जुटी है। बीते 18 नवंबर को नगर के सिलंगी मल्ली गांव निवासी उर्मिला उर्फ लक्ष्मी (28) पत्नी महावीर सिंह का शव घर में चुन्नी से लटका हुआ मिला था।

पुलिस और परिजनों ने शव को उतारा। कोतवाली गैरसैंण पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं शुक्रवार को मृतका के पिता बलवंत सिंह निवासी ग्वाड़ तल्ला ने कोतवाली में तहरीर देकर अपनी पुत्री की हत्या किए जाने की आशंका जताते हुए प्राथमिकी दर्ज कर जांच करने की गुहार लगाई है। कोतवाल मनोज सिरोला ने कहा कि मृतका के पिता की ओर से दी गई तहरीर को जांच में शामिल कर दिया गया है। मृतका की 10 साल पूर्व शादी हुई थी। वह अपने पीछे डेढ़ साल की बेटी और पांच साल का बेटा छोड़ गई है। मृतका का पति कहीं प्राइवेट नौकरी करता है। सूचना मिलने पर वह 19 नवंबर को गांव पहुंचा। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मामले पर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

# किसानों को मृदा स्वास्थ्य, संतुलित उर्वरक उपयोग और फॉल आर्मीवर्म प्रबंधन की दी जानकारी

अल्मोड़ा(आरएनएस)। विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान अल्मोड़ा की ओर से चलाए जा रहे %खेत बचाओ अभियान% के तहत देहरादून जनपद के कालसी विकासखंड के धनपऊ गांव में किसान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

संस्थान के निदेशक डॉ. लक्ष्मी कान्त के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में 29 किसानों ने प्रतिभाग किया, जिनमें 19 महिलाएं और 10 पुरुष शामिल रहे। कार्यक्रम में प्रधान वैज्ञानिक डॉ. पीके मिश्रा ने %खेत बचाओ अभियान% के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए पर्वतीय क्षेत्रों में मृदा स्वास्थ्य संरक्षण और पारंपरिक एवं उन्नत फसलों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने किसानों को मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों का प्रयोग करने तथा फसल की आवश्यकता और स्थानीय कृषि-जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन अपनाने की सलाह दी।

उन्होंने टिकाऊ पर्वतीय कृषि में पादप वृद्धि संवर्धक जैव-इनोकुलेंट्स की उपयोगिता के बारे में भी जानकारी दी। बताया कि लाभकारी सूक्ष्मजीव पौधों को पोषक तत्वों की उपलब्धता और अवशोषण बढ़ाने, जड़ों के बेहतर विकास तथा मृदा में जैविक गतिविधियों को बढ़ावा देने में सहायक होते हैं। इनके उपयोग से फसलों की वृद्धि और पोषक तत्वों के बेहतर उपयोग को बढ़ावा देने के साथ रासायनिक उर्वरकों पर अत्यधिक निर्भरता कम करने में मदद मिलती है।

संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. राजेश खुल्बे ने संस्थान द्वारा विकसित उन्नत गेहूं की किस्मों की जानकारी देते हुए फसल उत्पादन बढ़ाने में गुणवत्तायुक्त बीज के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने मक्का की फसल में लगने वाले फॉल आर्मीवर्म के समेकित प्रबंधन के विभिन्न उपायों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस कीट के नियंत्रण के लिए सांस्कृतिक, यांत्रिक, वनस्पति आधारित और जैविक प्रबंधन विधियों को एकीकृत रूप से अपनाना आवश्यक है। उन्होंने कीट की निगरानी के लिए फेरोमोन ट्रैप के उपयोग तथा मक्का के साथ दलहनी फसलों की अंतरवर्तीय खेती को महत्वपूर्ण सांस्कृतिक उपाय बताया। इसके अलावा मक्का की फसल की प्रारंभिक अवस्था में नीम के तेल का प्रयोग करने और पौधों की गोभ (व्हर्ल) में रेत डालने जैसी विधियों की जानकारी भी किसानों को दी गई। कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन, गुणवत्तायुक्त बीज के उपयोग और मक्का में फॉल आर्मीवर्म के प्रभावी समेकित प्रबंधन के प्रति जागरूक किया गया।

# भरतपुर में 2.71 करोड़ की आंतरिक सड़कों के कार्यों का शिलान्यास

हल्द्वानी(आरएनएस)। हल्द्वानी ब्लॉक के अंतर्गत बच्चीनगर के भरतपुर में शुक्रवार को विभिन्न आंतरिक मार्गों के निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया गया।

ब्लॉक प्रमुख मंजू गौड़, ग्राम प्रधान भीम सिंह बिष्ट और विधायक प्रतिनिधि विकास भगत ने स्थानीय लोगों की मौजूदगी में निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी। विधायक प्रतिनिधि विकास भगत क्षेत्र में करीब 2.71 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न आंतरिक मार्गों के निर्माण कार्य स्वीकृत हुए हैं।

इस दौरान मंडल अध्यक्ष संदीप सनवाल, विस्तारक देवेंद्र वर्मा, शक्ति केंद्र संयोजक रमेश जोशी, रमेश त्रिपाठी, गणेश साह, मनीष भट्ट, कमल भट्ट, प्रवीण भट्ट, बूथ अध्यक्ष हरीश सुठा, मोहन सिंह कैड़ा, विशाल जोशी, गणेश नैनवाल, मोहन पांडेय, प्रमोद भट्ट, कमल नेगी, प्रीति सैनी, मंजू तिवारी, रमेश चंद मिश्रा, गोविंद बर्थी, केएस कन्याल, उत्तम नाथ गोस्वामी, पूरन गौड़ सहित अनेक क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

# तीन मजदूरों के बंद मकानों के ताले तोड़कर जेवर और 40 हजार की नकदी चोरी

रुड़की (आरएनएस)। सुल्तानपुर में चोरों ने तीन मजदूरों के बंद मकानों को निशाना बनाकर सोने-चांदी के जेवर, 40 हजार रुपये चोरी कर लिए। तीनों परिवार पिछले एक माह से मोहम्मदपुर कुंहारी में ईंट भट्ठे पर रहकर मजदूरी कर रहे थे। सुल्तानपुर निवासी सलीम, खालिल और वहीद हसन मोहम्मदपुर कुंहारी में ईंट भट्ठे पर काम करते हैं। पिछले एक माह से तीनों परिवार समेत भट्ठे पर रह रहे थे। उन्होंने अपने मकानों पर ताले लगा रखे थे। देर रात चोरों ने तीनों घरों के ताले तोड़कर अंदर रखा सामान खंगाल डाला।

# पथरी क्षेत्र की सड़कों पर गड्ढों का जाल, विभाग मौन

हरिद्वार(आरएनएस)। क्षेत्र की सड़कों की हालत बद से बदतर हो गई है। कई मार्गों पर जगह-जगह गहरे गड्ढे होने से लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के बाद गड्ढों में पानी भरने से हादसों का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद विभाग सड़कों की मरम्मत को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहा है।

पथरी-लक्सर मार्ग के अलावा फेरूपुर से धनपुरा, पंजनहेड़ी, इक्कड़ कलां और अंबुवाला जाने वाले मार्गों पर भी गहरे गड्ढे बने हुए हैं। दोपहिया वाहन चालक इन गड्ढों में गिरकर चोटिल हो रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार, स्कूली बच्चों, मरीजों और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है।रात के समय इन मार्गों पर सफर करना और भी जोखिम भरा हो जाता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार विभागीय अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं। ग्रामीणों ने जल्द सड़कों की मरम्मत कराने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता योगेश कुमार ने बताया कि जल्द ही सड़कों पर काम शुरू कराया जाएगा। सभी सड़कों को गड्ढामुक्त किया जाएगा।

# कांग्रेस की बैठक में बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने के निर्देश

रुद्रपुर(आरएनएस)। कांग्रेस ने भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान चलाकर भ्रष्टाचार के आरोपी मंत्रियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। शुक्रवार को बंग भवन में आयोजित बैठक में कांग्रेस जिलाध्यक्ष हिमांशु गाबा और नैनीताल लोकसभा क्षेत्र के एसआईआर प्रभारी दीपक राठौड़ व संजय अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता 12 दिसंबर से पहले अपने-अपने बूथों पर सक्रिय रहकर मतदाता सूची का गहन परीक्षण करें। यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे। जिन लोगों के नाम किसी कारणवश मतदाता सूची में दर्ज नहीं हो पाए हैं, उन्हें नाम जुड़वाने की प्रक्रिया और जरूरी दस्तावेजों की जानकारी दें। कार्यकर्ता घर-घर संपर्क कर पात्र मतदाताओं को जागरूक करें और उनके नाम सूची में शामिल कराने में सहयोग करें।

बैठक में बूथवार जिम्मेदारी तय करने और आपसी समन्वय से अभियान को सफल बनाने की रणनीति भी बनाई गई। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष उत्तम आचार्य ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता जनता के मुद्दों को लेकर लगातार संघर्ष कर रहे हैं। प्रदेश सरकार के मंत्रियों पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। सरकार की जवाबदेही तय करने के लिए कांग्रेस हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से अपनी आवाज बुलंद करती रहेगी। पूर्व प्रदेश सचिव नवतेजपाल सिंह ने कहा कि मतदाता सूची का शुद्धीकरण लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। किसी भी पात्र नागरिक का नाम सूची से नहीं छूटना चाहिए। कांग्रेस कार्यकर्ता बूथ स्तर पर लोगों की मदद करेंगे, ताकि कोई भी योग्य मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे। इस दौरान पूर्व दर्जाधारी बलवंत बोहरा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष करन जंग, भगवान पांडे और सुकुमार चक्रवर्ती सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# लंबे समय तक ब्रेक के बाद एक्सरसाइज करने के लिए अपनाएं ये टिप्स

अगर आप लंबे समय तक कसरत नहीं कर रहे हैं और फिर से इसका अभ्यास शुरू करने जा रहे हैं, तो आपको कुछ बातों का खास ख्याल रखना चाहिए। इसके लिए आपको धीरे-धीरे शुरुआत करनी चाहिए और अपनी क्षमता के अनुसार ही कसरत करनी चाहिए। इसके अलावा सही उपकरणों का उपयोग और वार्म-अप करना भी जरूरी है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स देते हैं, जिन्हें अपनाकर आप आराम से कसरत कर सकते हैं।

धीरे-धीरे शुरू करें : अगर आप लंबे समय से कसरत नहीं कर रहे हैं तो एकदम से इसे शुरू करने की गलती न करें। पहले दिन केवल 5-1० मिनट की हल्की कसरत करें और धीरे-धीरे समय बढ़ाएं। इसके लिए पहले दिन हल्की स्ट्रेचिंग करें और फिर धीरे-धीरे अन्य गतिविधियों को शामिल करें। इससे आपका शरीर अनुकूल हो जाएगा और आप बिना किसी समस्या के नियमित कसरत कर पाएंगे। ध्यान रखें कि शुरुआत में हल्के वजन से शुरुआत करें और धीरे-धीरे वजन बढ़ाएं।

अपनी क्षमता को समझें : कसरत करते समय अपनी क्षमता को समझना बहुत जरूरी है। अगर आप ज्यादा वजन उठाने की कोशिश करेंगे तो चोट लगने की संभावना बढ़ सकती है। इसलिए पहले हल्के वजन से शुरू करें और फिर धीरे-धीरे बढ़ाएं। इसके अलावा अपनी शारीरिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए ही कसरत करें। इससे आप बिना किसी समस्या के नियमित कसरत कर पाएंगे और आपकी सेहत भी बेहतर होगी। हमेशा अपनी सीमाओं को समझकर ही आगे बढ़ें।

सही उपकरणों का उपयोग करें : कसरत करते समय सही उपकरणों का उपयोग करना बहुत जरूरी है। जिम जाते समय अपने साथ पानी की बोतल, तौलिया और आरामदायक कपड़े जरूर रखें।

इसके अलावा अगर आप घर पर ही कसरत कर रहे हैं तो भी सही उपकरणों का उपयोग करें जैसे कि योगा मैट, डंबल आदि। इससे आपकी कसरत और भी प्रभावी होगी और आप बिना किसी समस्या के नियमित रूप से अभ्यास कर सकेंगे। सही उपकरणों का उपयोग करने से आपकी सेहत भी बेहतर होगी।

वार्म-अप करना न भूलें : कसरत शुरू करने से पहले वार्म-अप करना बहुत जरूरी है क्योंकि यह आपके शरीर को तैयार करता है और चोट लगने की संभावना कम करता है। इसके लिए हल्की दौड़ लगाएं या कुछ मिनट तक रस्सी कूदें। इसके अलावा स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज भी करें ताकि मांसपेशियां लचीली हों और शरीर में खून का संचार बेहतर हो सके। वार्म-अप करने से आपका शरीर कसरत के लिए तैयार हो जाएगा और आप बिना किसी समस्या के नियमित रूप से अभ्यास कर सकेंगे।

आराम भी है जरूरी : कसरत के साथ-साथ आराम करना भी उतना ही जरूरी है जितना कि कसरत करना।

अगर आप लगातार बिना आराम किए कसरत करेंगे तो इससे थकान हो सकती है और शरीर पर बुरा असर पड़ सकता है। इसलिए हर दिन पूरी नींद लें और कभी-कभी ब्रेक लेकर शरीर को आराम करने दें। इससे आपका शरीर ताजगी महसूस करेगा और आप बेहतर तरीके से कसरत कर पाएंगे। इन सरल तरीकों को अपनाकर आप आसानी से अपनी सेहत को बढ़ा सकते हैं।

# घर के रखरखाव से जुड़े ये कार्य न करें नजरअंदाज, हो सकती हैं समस्याएं

घर की देखभाल करना एक जरूरी कार्य है, जिसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। अक्सर लोग छोटे-मोटे कामों को टाल देते हैं और यह आदत भविष्य में बड़ी समस्याओं का कारण बन सकती है। इस लेख में हम कुछ ऐसे कार्यों के बारे में बात करेंगे, जिन्हें नियमित रूप से करना चाहिए ताकि आपके घर में कोई बड़ी दिक्कत न हो और आपका घर हमेशा सुरक्षित और आरामदायक बना रहे।

लीकिंग नलियों की समस्या को न करें नजरअंदाज : अगर आपके घर में कहीं नली से पानी टपक रहा है तो इसे नजरअंदाज न करें। लीकिंग नलियां पानी की बर्बादी का कारण बनती हैं और इससे पानी का बिल भी बढ़ सकता है। इसके अलावा लीक से दीवारों में नमी आ सकती है, जो लंबे समय में नुकसान पहुंचा सकती है। इसके लिए आप एक प्लंबर को बुलाकर समस्या का समाधान करवा सकते हैं और अपने घर को सुरक्षित रख सकते हैं।

छत पर ध्यान दें : छत पर समय-समय पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। अगर आपकी छत में दरारें या छेद हो गए हैं तो उन्हें तुरंत ठीक करवाएं। इन दरारों से बारिश का पानी अंदर आ सकता है, जिससे घर में नमी और फंगस हो सकता है। इसके अलावा छत की सफाई भी करें ताकि किसी भी प्रकार की समस्या से बचा जा सके। नियमित देखभाल से आपकी छत लंबे समय तक सही बनी रहेगी।

बिजली के तारों की जांच करें : बिजली के तारों की जांच करना भी जरूरी है। अगर आपके घर में पुराने या ढीले तार लगे हुए हैं तो उन्हें ठीक करवाएं। ढीले तारों से शॉर्ट सर्किट हो सकता है, जिससे आग लगने का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा इनसे करंट आने का भी खतरा रहता है। इसलिए समय-समय पर इनकी जांच और मरम्मत करवाते रहें। नए तारों का उपयोग करें और पुराने तारों को बदलें ताकि घर में कोई भी बिजली से संबंधित समस्या न हो।

दरवाजों और खिड़कियों की फिटिंग देखें : दरवाजों और खिड़कियों की फिटिंग भी बहुत जरूरी होती है। अगर कोई दरवाजा या खिड़की ढीली हो गई हो तो उसे ठीक करवाएं ताकि हवा और धूल अंदर न आ सके।

# मुख्यमंत्री ने जनहित से जुड़े कार्यों के लिए प्रदान की 155.96 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनहित से जुडे कार्यो के लिए 155. 96 करोड की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की।



आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा प्रदेश के विभिन्न जनपदों में अवस्थापना विकास, सड़क एवं पुल निर्माण, पार्किंग, पेयजल व्यवस्था से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों के लिए ₹ 155.96 करोड़ की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृत प्रदान की गई है। इसके साथ ही कर्मचारी कल्याण से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्तावों को भी अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद अल्मोड़ा के रानीखेत विधान सभा क्षेत्रान्तर्गत मौलेखाल बाजार में पार्किंग का निर्माण किये जाने हेतु पेयजल निगम को कार्यदायी संस्था नामित करते हुए 591.16 लाख तथा जनपद चम्पावत के लोहाघाट विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत पंचेश्वर टैक्सी स्टैंड लोहाघाट में मल्टी लेवल पार्किंग एवं अन्य निर्माण कार्यों हेतु 998.55 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद पिथौरागढ़ के विकासखण्ड मूनाकोट में कुसेरी बैण्ड से सिलौनी मोटर मार्ग का डी.बी.एम. बी.सी. द्वारा अपग्रेड कार्यों हेतु 199.17 लाख तथा जनपद उत्तरकाशी के विकासखण्ड भटवाडी में उत्तरकाशी धनसाली तिलवाडा मोटर मार्ग (एस.एच.-15) के किमी. 12 में 02 लेन सेतु (क्लास-बी से क्लास-ए में उच्चीकरण) के निर्माण हेतु 409.23 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद पिथौरागढ़ के डीडीहाट विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत डंगोली-हरवाड़-वालीघाट-दफौड -धर्मघर-कोटमन्या-पंखू-थल-सातसिलिंग मोटर मार्ग (एसएच-60) के चेनज 154. 990 पर मोटर पुल का क्लास-बी से क्लास-ए में उच्चीकरण के लिए 501. 17 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। इसके साथ ही डंगोली-ददिमखेत-हरवाड़-वालीघाट-दफौड़-धर्मघर-कोटमन्या-पंखू-थल-सातसिलिंग मोटर मार्ग (एसएच-60) पर चेनज 134. 950 में मोटर पुल के क्लास-बी से क्लास-ए में उच्चीकरण के लिए 159. 73 लाख तथा चेनज 171.740 पर 45 मीटर स्पान के मोटर पुल के उच्चीकरण के लिए 463.21 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद पिथौरागढ़ के गंगोलीहाट विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत डंगोली-सैलानी-ददिमखेत- धर्मघर-कोटमन्या-पंखू-थल-सातसिलिंग मोटर मार्ग (एसएच-60) के किमी 127 पर पूर्व में निर्मित क्लास-बी पुल के स्थान पर 53 मीटर लंबाई का क्लास-ए लोडिंग दो लेन पुल निर्माण के लिए 725.45 की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद देहरादून की रायपुर शाखा देहरादून परिक्षेत्र तथा जनपद हरिद्वार की हरिद्वार शाखा हरिद्वार परिक्षेत्र के अन्तर्गत अधिक पेयजल खपत वाले वार्डों में जल संयोजनों पर घरेलू मैकेनिकल वाटर मीटर क्लास-बी के अधिष्ठापन हेतु क्रमशः 349.59 लाख एवं 464.77 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में स्वैच्छिक एवं आंशिक चकबंदी को प्रोत्साहित करने के लिए नई मद खोले जाने तथा राज्य आकस्मिकता निधि से 100 करोड की स्वीकृति प्रदान किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा राज्य सरकार एवं राज्य स्वायत्त निकायों/उपक्रमों के उन कर्मचारियों को, जो छठे केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार वेतन एवं भत्ते प्राप्त कर रहे, का महंगाई भत्ता 1 जुलाई, 2026 से 262 प्रतिशत से बढ़ाकर 269 प्रतिशत प्रतिमाह किए जाने को मंजूरी दी गई है। इसी प्रकार पांचवें केंद्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन एवं भत्ते प्राप्त कर रहे कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 1 जुलाई, 2026 से 483 प्रतिशत से बढ़ाकर 497 प्रतिशत प्रतिमाह किए जाने को अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा 178 आरक्षी, पीएससी एवं आईआरबी कार्मिकों को राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) से पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) में शामिल किए जाने के प्रस्ताव को अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा नगर पालिका परिषद नरेंद्रनगर परिसर स्थित सामुदायिक भवन का नाम पूर्व पालिका अध्यक्ष स्व. सोबन सिंह नेगी के नाम पर 'स्व. सोबन सिंह नेगी सामुदायिक भवन' रखे जाने के प्रस्ताव को अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा ग्राम सराय स्थित भूमि क्रय किये जाने से संबंधित संभावित अनियमितताओं के प्रकरण में तत्कालीन नगर आयुक्त, नगर निगम हरिद्वार वरुण चौधरी, आईएएस के निलंबन की अवधि 29 नवंबर, 2026 से विस्तारित किए जाने हेतु अनुमोदन प्रदान किया गया।

## शब्द सामर्थ्य - 74

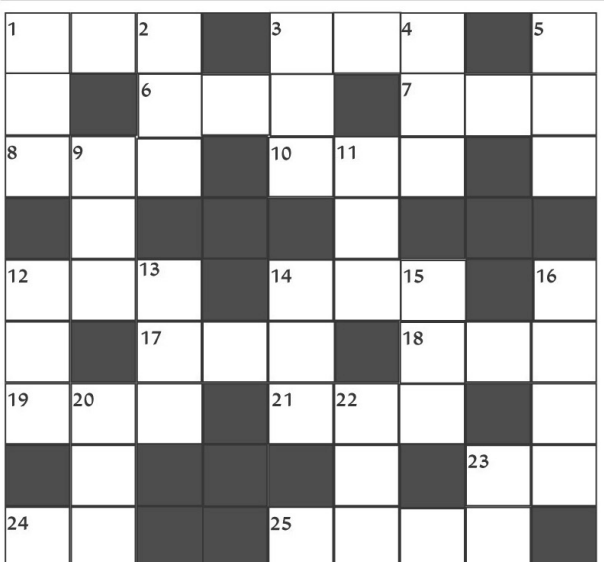
( भागवत साहू )

**बाएं से दाएं**

1. आय व्यय का लेखा-जोखा, गणित, एकाउंट 3. विनती, अदब 6. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

**ऊपर से नीचे**

1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. बहिन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीडा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने-पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीवी, एक प्रत्यय।



**शब्द सामर्थ्य क्रमांक 73 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| दा | ढ़ी | | की | | खा | सो | आ | म |
| वा | | त | म | न्ना | | | जा | |
| न | जा | क | त | | बा | अ | द | ब |
| ल | | ली | | वि | ला | प | | हा |
| | अ | फ | सा | ना | | मा | हि | र |
| दा | ब | | | श | गु | न | | |
| न | | उ | प | का | र | | शि | |
| व | | त्स | | र | | त | क | ला |
| | सा | व | न | | गु | रु | वा | र |

# सोनिया-राजीव पर ट्रोलिंग पर भड़कीं सोनाक्षी, कहा- पति और पत्नी का प्यार गलत कैसे हुआ ?

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने राहुल गांधी द्वारा सोनिया गांधी और राजीव गांधी को लेकर दिए गए बयान पर छिड़ी बहस के बीच मजाकिया अंदाज में प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री ने कहा कि उनके आने वाले बच्चों को जरा भी अंदाजा नहीं है कि आगे क्या होने वाला है और उन्हें इसके लिए तैयार रहना चाहिए। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा करते हुए सवाल उठाया कि पति-पत्नी के बीच प्रेम को आखिर सामाजिक गलती के रूप में क्यों देखा जा रहा है। उन्होंने लिखा, क्या कुछ लोग सिर्फ इसलिए नाराज हैं कि सोनिया गांधी लंच के समय राजीव गांधी की गोद में बैठती थीं?

उन्होंने आगे कहा कि यह दिखाता है प्रेम और वैवाहिक संबंधों को लेकर लोगों की सोच कितनी संकीर्ण हो चुकी है। ऐसे लोग पति-पत्नी के बीच प्रेम को भी गलत नजरिए से देखते हैं, जबकि एक-दूसरे के प्रति प्रेम और लगाव किसी भी वैवाहिक संबंध का स्वाभाविक हिस्सा है। सोनाक्षी ने आगे लिखा, धत तेरी की, मेरे होने वाले बच्चों को जरा भी अंदाजा नहीं है कि उनके साथ क्या होने वाला है। कमर कस लो बच्चों (तुम जहां कहीं भी हो, अभी)। दरअसल, 16 नवंबर को नई दिल्ली में सोनिया गांधी की किताब बिलॉन्गिंग- ए जर्नी ऑफ लव लॉन्च के दौरान राहुल गांधी ने अपने माता-पिता के बचपन और परिवार से जुड़ा एक किस्सा साझा किया था, जिसमें उन्होंने बताया था कि पारिवारिक भोजन के दौरान सोनिया गांधी अपने पति और भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की गोद में बैठती थीं। उन्होंने यह भी कहा था कि उन्हें शुरू में लगता था कि यह हर फैमिली में ऐसा ही होता था, जब तक कि वे अपने दोस्तों के घर नहीं गए। अब इस बात को लेकर सोशल मीडिया और राजनीति में एक बार फिर नई बहस शुरू हो गई। अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की बात करें, तो वह हाल ही में फिल्म तू है मेरी किरण में नजर आई थीं। इस फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल लीड रोल में हैं, जबकि अंकित गुप्ता, शर्लिन सेठ, जरीना वहाब और पूर्णेंदु भट्टाचार्य सपोर्टिंग रोल में हैं।

# इंडस्ट्री ने दोनों हाथ फैलाकर अपनाया, खराब सेहत से जूझ रहे शरद कपूर ने किया खुलासा

अभिनेता शरद कपूर पिछले कुछ समय से खराब सेहत, पैर की चोट और मानसिक तनाव से जूझ रहे हैं। हालांकि वायरल वीडियो के बाद इंडस्ट्री के कई लोगों ने उनसे संपर्क किया है और वह जनवरी से काम पर लौटने की बात कह रहे हैं। आईएएनएस के साथ हुई खास बातचीत में उन्होंने बताया कि भारत लौटने के बाद सलमान खान ने उन्हें फोन करके मदद का भरोसा दिया था। उन्होंने कहा, सलमान खान ने मुझसे बात की थी और मुझसे कहा था कि अगर कोई भी जरूरत हो, तो मुझे फोन करना। मैंने कहा, जरूर भाई, अगर जरूरत पड़ी तो मैं आपको जरूर फोन करूंगा।

शरद कपूर ने बताया कि वह पिछले 3-4 साल से न्यूयॉर्क में रह रहे थे और भारत लौटने के बाद से फिल्म इंडस्ट्री से उन्हें काफी सपोर्ट मिल रहा है। उन्होंने कहा, मैं न्यूयॉर्क में करीब तीन-चार साल तक था, लेकिन यहां आने के बाद मुझे फिल्म इंडस्ट्री से बहुत सपोर्ट मिला है। अहमद खान और रोहित शेट्टी ने फोन किया। इसके लिए मैं उनका बहुत शुक्रगुजार हूं और भगवान ने चाहा, तो जनवरी तक मैं काम शुरू कर दूंगा।

शरद कपूर ने इंडस्ट्री से मिले प्यार और सपोर्ट के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि उन्हें कभी ऐसा महसूस नहीं हुआ कि वो अकेले हैं। एक्टिंग में वापसी को लेकर शरद ने कहा कि वो हर तरह के फिल्ममेकर्स और एक्टर्स के साथ काम करने के लिए तैयार हैं।

उन्होंने फिल्ममेकर मंसूर खान के डायरेक्शन में वापसी का भी स्वागत किया और कहा कि उन्हें उनके साथ काम करके खुशी होगी। शरद ने कहा, रोहित शेट्टी, मंसूर खान वापस आ रहे हैं। मैं उनके साथ काम करना चाहूंगा। मुझे किसी के भी साथ काम करने में कोई दिक्कत नहीं है और एक्टर की बात करें, तो अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान और सलमान खान जैसे एक्टर्स के साथ काम करने में मजा आएगा।

अभिनेता शरद कपूर ने फिल्म इंडस्ट्री के लोगों को एक बेहद खास और अहम नसीहत दी। उन्होंने इंडस्ट्री के काम करने के तरीके, रिश्तों और बदलते दौर पर अपनी बात रखते हुए कहा, सभी को ध्यान से काम करने की बहुत जरूरत है, क्योंकि अब इंडस्ट्री में प्रोफेशनल होकर काम होता है, न कि इमोशनल होकर। अगर आप एक अच्छे और हार्डवर्किंग एक्टर हैं, तो बहुत आगे जाएंगे और सफलता हासिल करेंगे।


## वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन


# साउथ एक्टर्स को हिंदी एक्सेंट के लिए ट्रोल करना बिल्कुल सही नहीं है : अपेक्षा पोरवाल



जेलर 2 की एक्ट्रेस अपेक्षा पोरवाल ने कहा कि साउथ इंडियन एक्टर्स को उनके हिंदी एक्सेंट के लिए ट्रोल किया जाना बिल्कुल सही नहीं है। आईएएनएस के साथ खास बातचीत में अपेक्षा ने बताया कि मजाक उड़ाने के बजाय एक्टर की मेहनत पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो लोग एक्टर्स को ट्रोल कर रहे हैं, अगर उनसे कहा जाए तो शायद वे खुद भी कोई दूसरी भाषा नहीं बोल पाएंगे।

अपेक्षा से पूछा गया, आजकल, साउथ इंडियन एक्टर्स को अक्सर सोशल मीडिया पर उनके हिंदी एक्सेंट और बोलने के तरीके के लिए ट्रोल किया जाता है। आप इस ट्रेंड को कैसे देखती हैं? क्या उन आर्टिस्ट्स का मजाक उड़ाना सही है, जो दूसरी भाषा में बात करने की कोशिश कर रहे हैं?

यह समझाते हुए कि जिस भाषा को आप अच्छी तरह नहीं जानते, उसमें काम करना कितना मुश्किल है, उन्होंने आईएएनएस को बताया, हमें यह समझना चाहिए कि जब कोई किसी खास भाषा में कम्फर्टेबल नहीं होता, लेकिन फिर भी उसे सीखने और बोलने की कोशिश कर रहा होता है, तो हमें उस कोशिश की तारीफ करनी चाहिए, न कि उस पर हंसना या उसे ट्रोल करना चाहिए।

उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि अगर इन्हीं ट्रोल्स से दूसरी भाषा बोलने के लिए कहा जाए, तो शायद वे खुद ऐसा नहीं कर पाएंगे। जब कोई कड़ी मेहनत कर रहा हो और कोशिश कर रहा हो, तो उसकी तारीफ होनी चाहिए, बुराई नहीं।

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना को हाल ही में अपने हिंदी एक्सेंट के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था। चैट शो कॉफी विद करण के सीजन 9 में आने के दौरान एनिमल फेम एक्ट्रेस ने बताया कि अपने पूरे करियर में उन्हें अपने एक्सेंट को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ा है।

हालांकि, रश्मिका ने कहा कि उन्होंने कभी भी आलोचना को अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्री और भाषाओं में काम करने से रोकने नहीं दिया।

रश्मिका ने बताया कि साउथ इंडिया से होने की वजह से उनका एक्सेंट नेचुरली आता है। एक्ट्रेस ने आगे जोर देकर कहा कि वह खुद को एक इंडस्ट्री तक लिमिट करने के बजाय कई भाषाओं में काम करना चाहती हैं।

# प्रेगनेंसी के शुरुआती 3 महीने थे बहुत कठिन : कियारा आडवाणी



अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने अपने गर्भावस्था के अनुभव के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि शुरुआती कुछ मुश्किल महीनों में उन्हें अपने जीवन की अन्य महिलाओं से किस तरह का सपोर्ट और समझ मिली। कियार एक बच्चे की मां हैं। उन्होंने फिल्म निर्माता करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण में अपनी गर्भावस्था के सफर के बारे में बात की थी। उन्होंने बताया कि शुरुआती महीने काफी चुनौतीपूर्ण थे, क्योंकि उन्हें जी मिचलाने और हार्मोनल बदलावों का सामना करना पड़ा था। शो के दौरान कियारा ने कहा था, शुरुआती तीन महीने बहुत कठिन थे। आपको जी मिचलाने की समस्या और कई तरह के हार्मोनल बदलावों से गुजरना पड़ता है।

यह याद करते हुए कि कैसे उन्होंने और उनके पति सिद्धार्थ मल्होत्रा ने शुरुआत में किसी को भी गर्भावस्था के बारे में न बताने का फैसला किया था, कियारा ने बताया कि जल्द ही उन्हें एहसास हुआ कि उन्हें अपने आस-पास की महिलाओं के सहारे की जरूरत है।

उन्होंने बताया, उस समय हमने सोचा था कि हम किसी को नहीं बताएंगे। लेकिन फिर मैंने कहा, नहीं सिड, मुझे अपनी मां से बात करनी है, मुझे अपनी सास की जरूरत है। मुझे महिलाओं की जरूरत है। मुझे अपने जीवन में ऐसी महिलाओं की जरूरत है जो मुझे समझ सकें।

अभिनेत्री ने कहा कि महिलाओं के बीच साझा किए गए ऐसे अनुभवों ने उन्हें इस नाजुक दौर में काफी सुकून दिया।

उन्होंने कहा, मुझे याद है कि कभी-कभी मैं अपनी सहेलियों के साथ बैठकर रोती थी और वे बस मुझे वैसे ही रहने देती थीं (बिना कुछ कहे मुझे सहारा देती थीं)। और फिर, जिंदगी खूबसूरत हो जाती है।

कियारा 7 अक्टूबर को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अपनी दूसरी गर्भावस्था की घोषणा भी कर चुकी हैं। अपनी बेटी साराया के छोटे से हाथ की एक तस्वीर साझा करते हुए, जिसमें उसने बच्चों के मोजे पकड़े हुए हैं, उन्होंने लिखा, हमें एक बार फिर सबसे बड़ा उपहार मिला है। हमारा दिल प्यार और कृतज्ञता से भरा हुआ है।

# प्रार्थना सभा में देर से पहुंचे आठ छात्रों की छड़ी से पिटाई का आरोप

पौड़ी(आरएनएस)। विद्यालय में अनुशासन बनाए रखने के नाम पर छात्रों की पिटाई का मामला सामने आया है। राइंका कालेश्वर में प्रार्थना सभा में देरी से पहुंचने पर कक्षा आठ, नौ, 11वीं और 12वीं के आठ छात्रों की छड़ी से पिटाई किए जाने का आरोप है। बताया जा रहा है कि छड़ी से छात्रों की पीठ पर निशान उभर आए हैं। मामले में मुख्य शिक्षा अधिकारी ने बीईओ पौड़ी को जांच के निर्देश दिए हैं।पूर्व पीटीए अध्यक्ष व धनाऊ मल्ला के प्रधान कमल रावत ने बताया कि बीते बृहस्पतिवार को छात्र प्रार्थना सभा में देरी से पहुंचे थे। इस पर शिक्षक ने छड़ी से उनकी पिटाई कर दी। वहीं प्रधानाचार्य रेखा भट्ट ने बताया कि छात्र प्रार्थना सभा में देर से पहुंचे थे। इनमें धनाऊ मल्ला के चार और खपरोली व बणगांव के दो-दो शामिल थे। जबकि इन्हीं गांव की छात्राएं तय समय पर विद्यालय पहुंचती हैं। बताया कि कुछ छात्र बीते जुलाई माह से प्रार्थना सभा में देर से पहुंच रहे थे। तब सुबह का स्कूल होने के कारण उन्हें मौखिक चेतावनी देकर छोड़ दिया था। पिछले दो महीने से दिन की पाली में विद्यालय संचालित होने के बावजूद छात्रों की देर से पहुंचने की आदत नहीं सुधरी। पूर्व में एसएमसी और पीटीए की बैठकों में अभिभावकों को भी जानकारी दी गई थी। प्रधानाचार्य ने शिक्षक की ओर से छात्रों को समझाने के लिए मामूली पिटाई किए जाने की बात कही। वहीं मुख्य शिक्षा अधिकारी अत्रेश सयाना ने बीईओ पौड़ी मास्टर आदर्श को मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। बीईओ ने बताया कि अवकाश के कारण उन्हें अभी लिखित आदेश नहीं मिला है। विद्यालय खुलने पर संबंधित शिक्षक से स्पष्टीकरण लिया जाएगा।

# पुरानी सड़क पर ही बिछा दिया डामर, अब उखड़ा

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। कालीमठ घाटी के जाल तल्ला क्षेत्र में सड़क डामरीकरण की गुणवत्ता पर सवाल उठे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क पर डामरीकरण के दौरान निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया गया। पुरानी सड़क की ठीक से सफाई किए बिना ही उसके ऊपर डामर बिछा दिया गया। स्थिति यह है कि डामर हाथों से उखड़ रहा है। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। ग्रामीणों ने मामले की जांच की मांग की। ग्राम प्रधान कालीमठ प्रदीप राणा ने कार्यदायी संस्था पर निर्माण कार्य में लापरवाही बरतने और मानकों की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया जिस कारण डामर उखड़ने लगा है। ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर नाराजगी जताई। ग्रामीणों ने लोक निर्माण विभाग से मामले का संज्ञान लेकर जांच कराने की मांग की है। वहीं लोनिवि ऊखीमठ के सहायक अभियंता नरेंद्र कुमार ने बताया कि जहां डामरीकरण की गुणवत्ता खराब हुई है वहां दोबारा से डामरीकरण कराया जाएगा। उन्होंने ठेकेदार को सही कार्य कराने के निर्देश दिए।

## सू- दोकू क्र.74

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 3 | | 7 | | | | 2 | 1 |
| 2 | | | | 9 | | 4 | | |
| | 7 | | 1 | | | | 5 | |
| | | 1 | | 5 | | 2 | | 7 |
| | 5 | | | | 4 | | | |
| | | 4 | | 1 | | 8 | | 5 |
| | | | | | 1 | | | |
| 1 | | 5 | | 3 | | 9 | | |
| | 2 | | 6 | | 5 | | 1 | |

**नियम**

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

**सू-दोकू क्र.73 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 9 | 5 | 1 | 6 | 3 | 2 | 4 | 7 |
| 3 | 2 | 1 | 9 | 7 | 4 | 8 | 6 | 5 |
| 4 | 7 | 6 | 2 | 5 | 8 | 3 | 9 | 1 |
| 7 | 6 | 9 | 5 | 2 | 1 | 4 | 3 | 8 |
| 1 | 8 | 3 | 4 | 9 | 7 | 6 | 5 | 2 |
| 2 | 5 | 4 | 8 | 3 | 6 | 1 | 7 | 9 |
| 5 | 3 | 8 | 7 | 4 | 2 | 9 | 1 | 6 |
| 6 | 1 | 7 | 3 | 8 | 9 | 5 | 2 | 4 |
| 9 | 4 | 2 | 6 | 1 | 5 | 7 | 8 | 3 |

# मधुमक्खी संरक्षण से बढ़ेगी बागवानी की पैदावार, काश्तकारों को दिया गया वैज्ञानिक प्रशिक्षण

अल्मोड़ा(आरएनएस)। पर्वतीय क्षेत्रों में उद्यानिकी को बढ़ावा देने, मधुमक्खियों के संरक्षण और परागण के माध्यम से फसलों का उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से मुक्तेश्वर के कसियालेख क्षेत्र में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। सोसाइटी फॉर पीपुल्स एक्शन एंड रूरल डेवलपमेंट इन हिमालयन एरिया (स्पर्धा), अल्मोड़ा के तत्वावधान में उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट), देहरादून के वित्तीय सहयोग से आयोजित कार्यशाला में कुमाऊं क्षेत्र के ८० काश्तकारों और प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

कार्यशाला के पहले दिन कसियालेख क्षेत्र के मौन पालकों और काश्तकारों के साथ विशेष गोष्ठी आयोजित की गई। इस दौरान मौन पालन की वैज्ञानिक विधियों और व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी देने के साथ ही स्थलीय प्रशिक्षण भी दिया गया। इसमें डॉ. गिरीश नेगी, डॉ. रवींद्र जोशी, डॉ. प्रदीप सिंह, इंजीनियर दीप चंद्र बिष्ट और स्पर्धा के कैलाश रौतेला ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। दूसरे दिन कार्यक्रम में मानसखंड विज्ञान केंद्र अल्मोड़ा के एमेरिटस वैज्ञानिक डॉ. गिरीश नेगी ने अपने संबोधन में कार्यशाला के उद्देश्यों को स्पष्ट करते हुए मानव जीवन और पारिस्थितिकी तंत्र में मधुमक्खियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही मधुमक्खियों की वर्तमान स्थिति और उनके संरक्षण की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला।

वसुंधरा संस्था अल्मोड़ा एवं पर्यावरण संस्थान के पूर्व परियोजना सलाहकार डॉ. रवींद्र जोशी ने कीट परागणकर्ताओं की विविधता, परागण संकट और फसल उत्पादन से जुड़ी चुनौतियों पर जानकारी दी। सेवानिवृत्त जिला खादी एवं ग्रामोद्योग अधिकारी डॉ. बीसी बुधानी ने मधुमक्खी पालन के वैज्ञानिक पहलुओं, कीट एवं रोग नियंत्रण, कृत्रिम परागण तकनीक और मधुमक्खियों को उनके प्राकृतिक शत्रुओं से बचाने के उपायों की जानकारी दी। पंतनगर की फूड टेक्नोलॉजिस्ट डॉ. कृति मेर ने शहद की गुणवत्ता के मानकों और उसके औषधीय उपयोग के बारे में जानकारी दी। मानसखंड साइंस सेंटर अल्मोड़ा की सह प्रभारी डॉ. प्रियंका अधिकारी ने किसानों को यूकॉस्ट की विभिन्न योजनाओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि यूकॉस्ट महिला समूहों, फल उत्पादक कंपनियों और गैर सरकारी संगठनों को उनके सर्वांगीण विकास के लिए एक लाख से दस लाख रुपये तक का अनुदान उपलब्ध कराता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुक्तेश्वर किसान उत्पादक कंपनी के अध्यक्ष राजेंद्र मेहरा, भालूगाड़ समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट, होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुदर्शन एस. साही और देवेंद्र एस. बिष्ट सहित अन्य मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कसियालेख के फल उत्पादक एवं बागवान देवेंद्र सिंह बिष्ट ने की।

## 45 वर्ष बाद पर्यटन गांव सारी में बगड़वाल नृत्य का शुभारंभ

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। तुंगनाथ घाटी के पर्यटन गांव सारी में करीब 45 वर्ष बाद पारंपरिक बगड़वाल नृत्य का शुभारंभ हुआ। पंचायत चौक पर ग्राम देवताओं के आह्वान, पूजा-अर्चना और हवन के साथ नृत्य का आगाज किया गया। लंबे समय बाद गांव में बगड़वाल नृत्य के आयोजन से पूरा गांव भक्तिमय बना है।लोक संस्कृति और धार्मिक परंपराओं में बगड़वाल नृत्य का विशेष महत्व है। ढोल-दमाऊं की थाप पर बगड़वाल देवताओं के पश्वाओं का अवतरण और पारंपरिक नृत्य श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहता है। इस दौरान जीतू बगड्वाल की वीरगाथा और लोक परंपराओं का भी स्मरण किया जा रहा है। नव युवक मंगल दल अध्यक्ष धर्मेंद्र भट्ट, भरत सिंह,लखपत सिंह आदि ने बताया कि बगड़वाल नृत्य गांव की एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक विरासत को संजोने का महत्वपूर्ण माध्यम भी है। इस आयोजन से नई पीढ़ी को अपनी लोक परंपराओं, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक विरासत को करीब से जानने का अवसर मिलेगा।

# नाली निर्माण अधूरा, घरों में घुस रहा पानी

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। नगर पालिका के वार्ड नंबर छह स्थित महादेव मोहल्ले में अधूरा नाली निर्माण लोगों की परेशानी का कारण बना है। नाली का पानी लोगों के घरों में घुस रहा है। स्थानीय लोगों के बताया कि नाली निर्माण का कार्य जुलाई माह में शुरू किया गया था। तीन महीने बाद भी निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ है। स्थानीय ललिता देवी ने बताया कि नाली का पानी उनके घर तक पहुंच रहा है। भूपेंद्र सिंह रौथाण ने बताया कि नाली का पानी रास्ते में फैलने से आवाजाही में मुश्किल हो रही है। इसी मार्ग से स्कूली बच्चे भी गुजरते हैं। वहीं नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी हरेंद्र सिंह ने बताया कि महादेव मोहल्ले के लोगों की मांग पर जुलाई में ही नाली निर्माण कार्य शुरू कराया गया। बरसात के कारण निर्माण कार्य प्रभावित हुआ। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य किया जा रहा है। जल्द नाली निर्माण कार्य पूरा होगा।

# ड्रोन तकनीक और वायरलेस नेटवर्क मजबूत करने पर जोर

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। पुलिस दूरसंचार मुख्यालय के पुलिस अधीक्षक जसवीर सिंह ने जनपद की पुलिस संचार शाखा का निरीक्षण किया। उन्होंने जिला नियंत्रण कक्ष में ड्रोन, सीसीटीवी सर्विलांस, वायरलेस संचार, पोलनेट और डायल-112 की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके बाद संचार अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने ड्रोन संचालन के साथ ड्रोन फॉरेंसिक और एंटी-ड्रोन तकनीक का प्रशिक्षण लेने पर जोर दिया।वहीं पुलिस संचार शाखा में स्थापित ड्रोन मॉनिटरिंग सेल से जनपद में ड्रोन गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था और आपातकालीन परिस्थितियों में आधुनिक तकनीक की भूमिका बढ़ रही है। ऐसे में कार्मिकों को नई तकनीकों की जानकारी रखनी होगी। उन्होंने आगामी कुंभ मेला और निर्वाचन के लिए संचार व्यवस्था की तैयारियां समय से पूरी करने को कहा।

# विधानसभा चुनाव से पहले सोशल मीडिया को मजबूत बनाने की भाजपा कर रही तैयारी

अल्मोड़ा(आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी जिला अल्मोड़ा की सोशल मीडिया की जिला स्तरीय बैठक भाजपा जिला कार्यालय, पातालदेवी में आयोजित हुई।

बैठक में विधानसभा चुनाव प्रदेश सह प्रभारी सोशल मीडिया सोमेश पांडे ने मुख्य वक्ता के रूप में कार्यकर्ताओं को सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग का मार्गदर्शन दिया। उन्होंने संगठन की विचारधारा, सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों को प्रभावी कंटेंट के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। प्रदेश मीडिया सह संयोजक गांधार अग्रवाल ने कहा कि भाजपा की लोककल्याणकारी सरकार की नीतियों, योजनाओं और जनहित में किए गए कार्यों को जनता तक पहुंचाना प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। मुख्य वक्ता सोमेश पांडे ने कहा कि सोशल मीडिया की ताकत को पहचानते हुए इसका अधिकतम उपयोग संगठन को मजबूत बनाने और सरकार के कार्यों को जनता तक पहुंचाने के लिए करना होगा। उत्तराखंड में हुए विकास और सकारात्मक बदलावों की जानकारी जनता तक पहुंचाने में सोशल मीडिया महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

उन्होंने कहा कि %चरैवेति-चरैवेति, चलते रहो, चलते रहो% संगठन के कार्यकर्ताओं का मंत्र है। निरंतर सक्रियता, परिश्रम और संगठन के प्रति समर्पण कार्यकर्ताओं की पहचान है। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर कंटेंट का है। प्रभावशाली, सकारात्मक और तथ्यपरक कंटेंट के माध्यम से सरकार की उपलब्धियों और संगठन के विचारों को जनता तक पहुंचाया जाए तो सोशल मीडिया आगामी विधानसभा चुनाव में संगठन की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने लाभार्थियों से संपर्क स्थापित कर सरकार की योजनाओं से मिले लाभ और उनके अनुभवों को संवाद के माध्यम से सामने लाने पर जोर दिया। बैठक का संचालन भाजपा जिला महामंत्री प्रकाश भट्ट ने किया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष महेश नयाल, सोशल मीडिया जिला संयोजक कृपाल बिष्ट, सह संयोजक मदन सिंह बिष्ट, आईटी संयोजक गोविंद मठपाल, आशीष अधिकारी, दिनेश जोशी, मनीष जोशी, प्रदीप नगरकोटी सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।



# सीएम धामी ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की माताजी को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को हरिद्वार में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ की माताजी स्वर्गीय श्रीमती सावित्री देवी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं उनके परिजनों से भेंट कर अपनी गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि माता का स्नेह, आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन जीवन की अमूल्य धरोहर है। उनका निधन परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है।

मुख्यमंत्री ने बाबा केदार से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने तथा शोक संतप्त परिजनों को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

## मां के सामने टूटा योगी का धैर्य..

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

सुबह करीब सात बजे अंतिम यात्रा रवाना हुई।

योगी आदित्यनाथ के जीवन में माता-पिता से जुड़ा यह दूसरा बड़ा दुखद प्रसंग है। अप्रैल 2020 में उनके पिता आनंद सिंह बिष्ट का निधन हुआ था। उस समय कोरोना महामारी और लाकडाउन के कारण योगी आदित्यनाथ अपने पिता के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो पाए थे। उन्होंने तब कोविड प्रोटोकाल का पालन करते हुए अंतिम संस्कार में शामिल न होने का निर्णय लिया था। अब मां के निधन पर वह तमाम व्यस्तताओं को छोड़कर अपने गांव पहुंचे और अंतिम दर्शन किए। जिस मां ने बेटे को जन्म दिया, उसकी परवरिश की और उसे जीवन की राह दिखाई, उसी मां को अंतिम विदाई देने के लिए बेटा अपने गांव लौटा था। संन्यास ने भले ही योगी आदित्यनाथ को सांसारिक जीवन से अलग कर दिया हो, लेकिन मां के प्रति भावनाओं का रिश्ता कभी अलग नहीं हुआ। पंचूर में मां के पार्थिव शरीर के सामने खड़े योगी की नम आंखें यही बता रही थीं कि इंसान चाहे कितनी भी ऊंचाई पर पहुंच जाए, मां के जाने का दुख उसे भीतर तक तोड़ देता है।

## सत्ता बरकरार रखने के बावजूद भाजपा..

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

लेकर जारी मांग ने इस प्रकरण को फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है। कांग्रेस इसे सरकार की जवाबदेही से जोड़कर उठा रही है। इसके अलावा धार्मिक स्थलों से जुड़े विवाद और चढ़ावे में कथित गड़बड़ी के आरोप भी सरकार की छवि को प्रभावित कर सकते हैं। भाजपा के सामने चुनौती केवल इन आरोपों का राजनीतिक जवाब देना नहीं, बल्कि जनता के बीच पारदर्शिता और जवाबदेही का भरोसा कायम करना भी है।

भाजपा के लिए एक बड़ी चुनौती अपने विधायकों की राजनीतिक स्थिति भी है। पांच साल के कार्यकाल में कई विधानसभा क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियों के प्रति नाराजगी और कार्यकर्ताओं की उपेक्षा की शिकायतें सामने आती रही हैं। संगठन के सामने यह आकलन करना भी जरूरी होगा कि कौन विधायक अपने क्षेत्र में मजबूत स्थिति में है और किसके खिलाफ जनता में असंतोष है। टिकट वितरण के दौरान यह समस्या और गंभीर हो सकती है। पार्टी यदि बड़ी संख्या में विधायकों के टिकट काटती है तो बगावत और भीतरघात का खतरा पैदा होगा। वहीं कमजोर विधायकों को दोबारा मैदान में उतारने का जोखिम भी कम नहीं है। इसके साथ ही संगठन के भीतर क्षेत्रीय और गुटीय संतुलन बनाए रखना भी आसान नहीं होगा। चुनाव से पहले नाराज नेताओं और कार्यकर्ताओं को साधना भाजपा के लिए बड़ी परीक्षा साबित हो सकता है।

भाजपा के सामने असली सवाल यही है कि क्या वह अपनी उपलब्धियों के सहारे सत्ता विरोधी माहौल को बेअसर कर पाएगी? क्या संगठन की ताकत स्थानीय असंतोष और संभावित भीतरघात पर भारी पड़ेगी? और क्या कांग्रेस सहित विपक्षी दल जनता के असंतोष को अपने पक्ष में वोटों में बदल पाएंगे? 65 पार का लक्ष्य घोषित करना आसान है, लेकिन 70 विधानसभा क्षेत्रों की जमीनी हकीकत को अपने पक्ष में करना अलग चुनौती है। उत्तराखंड में तीसरी बार सत्ता हासिल करना भाजपा के लिए केवल एक और चुनाव जीतने का मामला नहीं, बल्कि राज्य की स्थापित राजनीतिक परंपरा को स्थायी रूप से बदलने की परीक्षा भी होगा।

# 'रिपोर्ट कार्ड पर महाभारत'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में 2027 के विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही सियासी मुकाबला अब जनता के दरवाजे तक पहुंचने की तैयारी में है। भाजपा जहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली सरकार के कामकाज और उपलब्धियों का रिपोर्ट कार्ड लेकर घर-घर दस्तक देने की रणनीति पर काम कर रही है, वहीं कांग्रेस सरकार की कमियों और जनता से जुड़े सवालों को लेकर जनसंपर्क अभियान चला रही है। दोनों दलों के बीच अब केवल सभाओं, रैलियों और बयानों की राजनीति नहीं, बल्कि जनता के बीच जाकर अपने-अपने पक्ष को स्थापित करने की कवायद तेज हो रही है।

भाजपा का जोर सरकार के पांच साल के कामकाज, केंद्र और राज्य की योजनाओं, विकास परियोजनाओं, सड़क, रेल, हवाई कनेक्टिविटी, धार्मिक पर्यटन, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं पर रहेगा। पार्टी इन उपलब्धियों को जनता के सामने रखकर यह संदेश देने की कोशिश करेगी कि प्रदेश में विकास की गति बनाए रखने के लिए मौजूदा सरकार को एक और अवसर मिलना चाहिए। वहीं कांग्रेस का प्रयास सरकार के दावों के बरक्स जमीनी हकीकत सामने रखने का है। पार्टी भ्रष्टाचार के आरोपों, बेरोजगारी, महिला अपराध, जमीनों के हस्तांतरण, पलायन और कानून व्यवस्था जैसे मुद्दों को लेकर सरकार को कठघरे में खड़ा कर रही है।

भाजपा के लिए 2027 का चुनाव लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के लक्ष्य से जुड़ा है। पार्टी नेतृत्व 65 पार का नारा दे चुका है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करने के साथ सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने की रणनीति बनाई जा रही है। समान नागरिक संहिता, सख्त नकलरोधी कानून, धार्मिक स्थलों का विकास, चारधाम यात्रा सुविधाओं का विस्तार, बुनियादी ढांचे की परियोजनाएं और निवेश के प्रस्ताव भाजपा के प्रचार अभियान के प्रमुख विषय हो सकते हैं। पार्टी का प्रयास रहेगा कि सरकार की योजनाओं का लाभ पाने वाले परिवारों, महिला समूहों, युवाओं, पूर्व सैनिकों, किसानों और व्यापारियों तक सीधे पहुंच बनाई जाए। इसके लिए संगठन के विभिन्न प्रकोष्ठों और स्थानीय कार्यकर्ताओं की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। केवल सरकार की

**◆चुनाव से पहले भाजपा और कांग्रेस ने तेज की जनसंपर्क की तैयारी**
**◆सत्ता पक्ष उपलब्धियों के सहारे मांगेगा प्रदेशभर में जनता से समर्थन**
**◆विपक्ष भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा के मुद्दों पर खोलेगा मोर्चा**

उपलब्धियां गिनाने के बजाय यह भी बताना होगा कि संबंधित योजनाओं का लाभ आम लोगों तक किस तरह पहुंचा है। भाजपा की चुनावी रणनीति में मुख्यमंत्री धामी का चेहरा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर केंद्र की योजनाओं का उल्लेख भी महत्वपूर्ण रहेगा।

दूसरी ओर कांग्रेस ने सरकार को घेरने के लिए मुद्दों की लंबी फेहरिस्त तैयार की है। पार्टी का आरोप है कि प्रदेश में भ्रष्टाचार, महिला अपराध, बेरोजगारी और जमीनों के कथित घोटालों पर सरकार प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पा रही है। अंकिता भंडारी हत्याकांड में वीआईपी की पहचान और जांच से जुड़े सवालों को भी कांग्रेस लगातार उठा रही है। जमीनों के कथित अनियमित हस्तांतरण को लेकर पार्टी ने भूमि बचाओ, धामी हटाओ अभियान चलाया है। इसके अलावा कांग्रेस ने 10 नवंबर से प्रदेशव्यापी हस्ताक्षर अभियान शुरू किया है। पार्टी के अनुसार इसके माध्यम से गांवों, बाजारों, ब्लॉक और जिला स्तर पर लोगों से संपर्क कर सरकार के खिलाफ शिकायतों और असंतोष को दर्ज किया जा रहा है। अभियान के तहत एकत्र हस्ताक्षर राज्यपाल को सौंपने की योजना है। कांग्रेस 26 नवंबर को इस अभियान के समापन पर रैली के माध्यम से अपनी मांगें भी उठाने की तैयारी में है। पार्टी का प्रयास है कि सरकार के खिलाफ उठाए जा रहे सवालों को केवल राजनीतिक आरोपों तक सीमित न रखकर जनभागीदारी का रूप दिया जाए।

दोनों दलों के अभियान में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका जनता की प्रतिक्रिया की होगी। भाजपा जहां विकास और योजनाओं को अपनी उपलब्धि के रूप में पेश करेगी, वहीं कांग्रेस इन योजनाओं के वास्तविक लाभार्थियों और जमीनी क्रियान्वयन पर सवाल उठाने की कोशिश करेगी। पहाड़ों में पलायन, स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति, शिक्षा, सड़क संपर्क, रोजगार और खेती-किसानी की समस्याएं ऐसे विषय हैं, जिन पर दोनों दलों को जनता के बीच जवाब देना होगा। राजनीतिक रूप से यह मुकाबला इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि भाजपा के सामने सत्ता विरोधी असंतोष को संबोधित करने की चुनौती है, जबकि कांग्रेस के सामने सरकार की कमियों को एक संगठित और विश्वसनीय राजनीतिक विकल्प के रूप में जनता के सामने रखने की जरूरत है। केवल आरोप लगाना या उपलब्धियां गिनाना पर्याप्त नहीं होगा। जनता यह भी जानना चाहेगी कि जिन समस्याओं का जिक्र किया जा रहा है, उनके समाधान का ठोस रास्ता क्या है।

2027 का चुनाव अभी दूर है, लेकिन दोनों प्रमुख दलों की गतिविधियों से साफ है कि चुनावी बहस अब घरों की चौखट तक पहुंचाने की तैयारी है। भाजपा सरकार के कामकाज का हिसाब लेकर जनता के बीच जाएगी तो कांग्रेस उसी हिसाब में कमियां तलाशकर सवाल खड़े करेगी। एक पक्ष विकास और योजनाओं को सामने रखेगा, दूसरा जवाबदेही और अधूरे वादों की बात करेगा। अंतत: जनता के सामने दोनों पक्षों के दावे होंगे और उन्हें परखने की कसौटी अपने अनुभव होंगे। चुनावी राजनीति में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि घर-घर पहुंचने वाले इन दोनों अभियानों में जनता किस सवाल को अधिक महत्व देती है।

# किसान ऋण मेले में 130 लाभार्थियों को ब्याजमुक्त ऋण के चेक किए वितरित

नगर संवाददाता

देहरादून/विकासनगर। शनिवार को सहसपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम झाझरा स्थित एमपैक्स (बालाजी मंदिर के सामने) में सहकारिता विभाग, विकासखंड सहसपुर द्वारा किसान ऋण मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सहसपुर विधायक सहदेव सिंह पुंडीर ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया।




इस अवसर पर विधायक ने 130 लाभार्थियों को चेक के माध्यम से ब्याजमुक्त ऋण वितरित किए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। ब्याजमुक्त ऋण की यह सुविधा किसानों के साथ-साथ स्वयं सहायता समूहों के लिए भी आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी।

विधायक ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ना और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। ऐसे प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि किसानों की समृद्धि, महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। इन उद्देश्यों को धरातल पर उतारने के लिए सरकार निरंतर जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है।

इस अवसर पर विकासखंड प्रमुख श्रीमती अर्चना रावत, ज्येष्ठ प्रमुख श्रीमती रामेश्वरी पुंडीर, डी.सी.बी. उपाध्यक्ष श्री भीम सिंह पुंडीर, डी.सी.बी. निदेशक श्री वीरेश थपलियाल, एमपैक्स झाझरा के अध्यक्ष श्री सावन पुंडीर सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

# माला पर उलझे कांग्रेस के 'दिग्गज'

## बागेश्वर में हरीश रावत और यशपाल आर्य के बीच माला पहनाने को लेकर खींचतान

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस भले ही एकजुटता का संदेश देने और भाजपा के खिलाफ साझा मोर्चा बनाने की कोशिश कर रही हो, लेकिन पार्टी के दिग्गजों के बीच की खींचतान एक बार फिर सार्वजनिक मंच पर आ गई। इस बार मामला किसी टिकट, पद या चुनावी रणनीति का नहीं, बल्कि फूलों की माला का था। बागेश्वर में कांग्रेस के कार्यक्रम के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत और नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य एक-दूसरे को माला पहनाने की जिद में ऐसे उलझे कि मंच पर कुछ देर के लिए असहज स्थिति बन गई। दोनों वरिष्ठ नेताओं के बीच माला को लेकर चलती खींचतान और प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा की प्रतिक्रिया का वीडियो अब चर्चा का विषय बन गया है।

दरअसल, कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा के बागेश्वर पहुंचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया था। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत समेत पार्टी के कई



वरिष्ठ नेता मौजूद थे। स्वागत के दौरान हरीश रावत ने यशपाल आर्य को माला पहनाने का प्रयास किया, लेकिन आर्य ने माला स्वीकार करने के बजाय उसे अपने हाथ में ले लिया और हरीश रावत को पहनाने की कोशिश करने लगे। हरीश रावत भी इसके लिए तैयार नहीं हुए। दोनों के बीच कुछ देर तक माला को लेकर खींचतान चलती रही। आखिरकार हरीश रावत ने माला पहन ली और फिर दूसरी माला लेकर यशपाल आर्य को पहनाने की कोशिश की। लेकिन इस बार आर्य ने माला स्वीकार नहीं की और उसे मेज पर रख दिया। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान मंच पर मौजूद कुमारी सैलजा कभी मुस्कुराती तो कभी अपना सिर पकड़ती नजर आईं। कार्यक्रम में मौजूद दूसरे नेता और कार्यकर्ता भी इस अप्रत्याशित घटनाक्रम को देखते रह गए।

कांग्रेस में हरीश रावत और यशपाल आर्य के बीच राजनीतिक समीकरणों को लेकर पहले भी चर्चाएं होती रही हैं। दोनों ही प्रदेश की राजनीति के बड़े चेहरे हैं और पार्टी के भीतर अपनी-अपनी राजनीतिक अहमियत रखते हैं। ऐसे में सार्वजनिक मंच पर माला को लेकर हुई इस खींचतान ने पार्टी की अंदरूनी राजनीति को फिर चर्चा में ला दिया है। खास बात यह है कि यह घटनाक्रम उस समय हुआ, जब प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा संगठन को एकजुट

**◆यशपाल ने माला पहनने से किया इनकार, सैलजा ने पकड़ा सिर, भाजपा ने ली चुटकी**
**◆कांग्रेस पार्टी के दिग्गजों के बीच खींचतान एक बार फिर सार्वजनिक मंच पर दिखी**

करने और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को गति देने के उद्देश्य से छह दिवसीय उत्तराखंड दौरे पर हैं। कांग्रेस इन दिनों बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, महिला अपराध, जमीनों के मामलों और कानून व्यवस्था को लेकर धामी सरकार पर हमलावर है। पार्टी के नेता लगातार जनसभाओं और अभियानों के जरिए सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन बागेश्वर की घटना ने विपक्ष को यह सवाल उठाने का मौका दे दिया है कि जब पार्टी के वरिष्ठ नेता ही सार्वजनिक मंच पर सहज तालमेल नहीं दिखा पा रहे हैं तो चुनाव में एकजुटता का संदेश कैसे जाएगा? भाजपा ने भी इस घटनाक्रम का वीडियो साझा कर कांग्रेस पर कटाक्ष किया है।

भाजपा ने इस घटनाक्रम को कांग्रेस की एकजुटता के दावों से जोड़ते हुए सोशल मीडिया पर तंज कसा। उत्तराखंड भाजपा ने यशपाल आर्य को संबोधित करते हुए पूछा कि हरीश रावत उन्हें केवल माला पहनाने का प्रयास कर रहे थे, फिर उन्होंने माला स्वीकार क्यों नहीं की? पार्टी ने इस घटनाक्रम को कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान से जोड़कर निशाना साधा। बहरहाल, बागेश्वर में माला पहनाने का यह प्रसंग सामान्य स्वागत समारोह का हिस्सा था या इसके पीछे कोई राजनीतिक असहजता थी, यह दोनों नेताओं की ओर से स्पष्ट नहीं किया गया है। लेकिन चुनाव से पहले कांग्रेस के लिए यह वीडियो असहज करने वाला जरूर बन गया है। जिस समय पार्टी को भाजपा के खिलाफ अपने नेताओं की एकजुटता प्रदर्शित करनी है, उस समय मंच पर हुई इस छोटी-सी घटना ने बड़े राजनीतिक सवाल खड़े कर दिए हैं।

# प्रदेश की सभी 70 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी आम आदमी पार्टीः उमा



नगर संवाददाता

देहरादून। आम आदमी पार्टी उत्तराखण्ड ने आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर अपनी चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल से दिल्ली में मुलाकात के बाद प्रदेश अध्यक्षा उमा गौड़ सिसोदिया ने प्रेस को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि आम आदमी पार्टी उत्तराखण्ड की सभी 70 विधानसभा सीटों पर पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी। पार्टी प्रदेश की जनता के बीच एक मजबूत राजनीतिक विकल्प के रूप में उतरने की तैयारी कर रही है।

उमा गौड़ सिसोदिया ने कहा कि राष्ट्रीय संयोजक अरविन्द केजरीवाल के साथ हुई बैठक में उत्तराखण्ड के राजनीतिक हालात, प्रदेश संगठन की स्थिति और आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। राष्ट्रीय नेतृत्व ने प्रदेश संगठन को चुनाव की तैयारियों में पूरी ताकत से जुटने का मार्गदर्शन दिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य केवल चुनाव लड़ना नहीं, बल्कि उत्तराखण्ड की जनता के विश्वास पर खरा उतरते हुए प्रदेश में एक मजबूत और जवाबदेह राजनीतिक विकल्प देना है। उन्होंने बताया कि आगामी विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के स्टार प्रचारकों के रूप में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, सांसद संजय सिंह, जरनैल सिंह और दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी सहित पार्टी के वरिष्ठ राष्ट्रीय नेताओं के उत्तराखण्ड आने की उम्मीद है। इन नेताओं की जनसभाओं और चुनावी कार्यक्रमों के माध्यम से पार्टी अपने विचारों और नीतियों को प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र तक पहुंचाएगी।

प्रदेश अध्यक्षा ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि अब सभी को चुनावी मोड में आकर बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना होगा। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने, नए लोगों को पार्टी से जोड़ने और जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझने पर विशेष जोर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी चुनाव में मजबूत संगठन ही सबसे बड़ी ताकत होता है और आम आदमी पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाएगा।

प्रत्याशियों की घोषणा को लेकर उमा गौड़ सिसोदिया ने कहा कि पार्टी जल्द ही विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवार घोषित करेगी। प्रत्याशियों के चयन में संगठन की मजबूती, जनसेवा के प्रति समर्पण और क्षेत्र में उनकी सक्रियता को प्राथमिकता दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड की जनता ने भाजपा और कांग्रेस दोनों को अवसर दिया है, लेकिन आज भी प्रदेश की जनता रोजगार, पलायन, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं जैसे सवालों से जूझ रही है। आम आदमी पार्टी इन मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएगी और प्रदेश के विकास के लिए एक ठोस विकल्प प्रस्तुत करेगी।

अंत में उन्होंने कहा कि आगामी 2027 का विधानसभा चुनाव आम आदमी पार्टी पूरी ताकत, मजबूत संगठन और स्पष्ट विजन के साथ लड़ेगी। पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता प्रदेश की सभी 70 सीटों पर जीत की संभावनाओं को मजबूत करने के लिए अभी से मैदान में उतर चुका है। पत्रकार वार्ता में मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्षा सहित डी एस कौटिल्य, हिमांशु पुण्डीर, श्याम बाबू पाण्डेय शामिल थे।

# बाघ के हमले में युवक की मौत!

नगर संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड कॉर्बेट टाइगर रिजर्व से सटे वन क्षेत्र तराई पश्चिमी में बाघ का आतंक एक बार फिर देखने को मिला है, रामनगर के फाटो वन गुज्जर खत्ते में मवेशियों को चराने गए 22 वर्षीय युवक पर बाघ ने अचानक हमला कर दिया, बाघ युवक को घसीटकर जंगल के भीतर ले गया,घटना के बाद परिजनों में चीख-पुकार मच गई,वन विभाग की टीम और ग्रामी।ाों ने करीब दो घंटे तक जंगल में तलाश की, जिसके बाद युवक का शव बरामद हुआ,घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

जानकारी के मुताबिक दिलशाद पुत्र मोहम्मद गुलाम मुस्तफा, उम्र 22 वर्ष, निवासी फाटो वन गुज्जर खत्ता, ढेला, अपनी मां नूरजहां और चचेरे भाई इमरान के साथ घर से करीब 200 मीटर की दूरी पर मवेशियों को चराने गया था,इसी दौरान फाटो गुज्जर खत्ते में कॉर्बेट की एंटी पोचिंग चौकी के पास अचानक बाघ ने दिलशाद पर हमला कर दिया और उसे घसीटकर जंगल के अंदर ले गया,घटना के बाद परिजनों और आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाया। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंची और युवक की तलाश शुरू की, करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद जंगल के भीतर से दिलशाद का शव बरामद किया गया।

मृतक के मामा मोहम्मद याकूब ने बताया कि दिलशाद अपनी मां और चचेरे भाई के साथ घर से लगभग 200 मीटर की दूरी पर मवेशियों को चरा रहा था,इसी दौरान सफारी कराई जाने वाली सड़क से निकलकर बाघ ने उस पर हमला कर दिया और उसे घसीटकर जंगल के अंदर ले गया, काफी तलाश के बाद उसका शव बरामद हुआ,वहीं जानकारी देते हुए फाटो रेंज अधिकारी कृपाल सिंह बिष्ट ने बताया कि घटना उत्तरी फाटो बीट के कक्ष संख्या 43 की है, एक वन गुज्जर परिवार जंगल में अपने मवेशियों को चराने गया था,इसी दौरान बाघ ने युवक पर हमला कर दिया,सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम सहित आवश्यक कार्रवाई शुरू की गई। वन क्षेत्रों में बाघ के हमले की इस घटना ने एक बार फिर जंगल में रहने वालेनवन गुज्जरों के परिवारों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

**आर.एन.आई.-** 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

*प्रधान संपादक*
**कांति कुमार**

*संपादक*
**पुष्पा कांति कुमार**

*समाचार संपादक*
**आनंद कांति कुमार**

**कानूनी सलाहकारः**
**वी के अरोड़ा, *एडवोकेट***
**बैजनाथ, *एडवोकेट***

**कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।**
**मो. 9358134808**

*नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।*